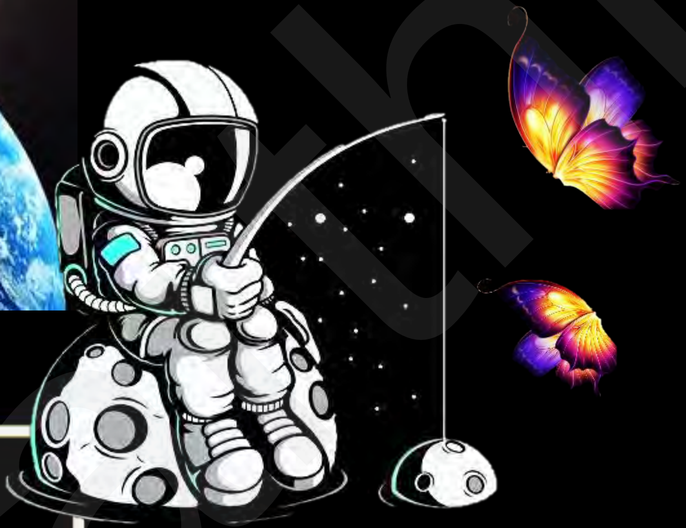

कक्षा VII पाठ 1
समानता

प्रश्न उत्तर

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 1. लोकतंत्र में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार क्यों महत्त्वपूर्ण है?

उत्तर. लोकतंत्र में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का महत्त्व:-

1.सार्वभौमिक वयस्क

www.evidyarthi.in

मताधिकार भारत के सभी नागरिकों को प्राप्त है।

2.‘सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का विचार’ समानता के विचार पर आधारित है, क्योंकि यह घोषित करता है कि देश का प्रत्येक वयस्क स्त्री/पुरुष

www.evidyarthi.in

चाहे उसका आर्थिक स्तर या जाति कुछ भी क्यों न हो, एक वोट का हकदार है।

3.सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के माध्यम से भारत का प्रत्येक नागरिक अपने प्रतिनिधियों का चुनाव स्वयं करता है।

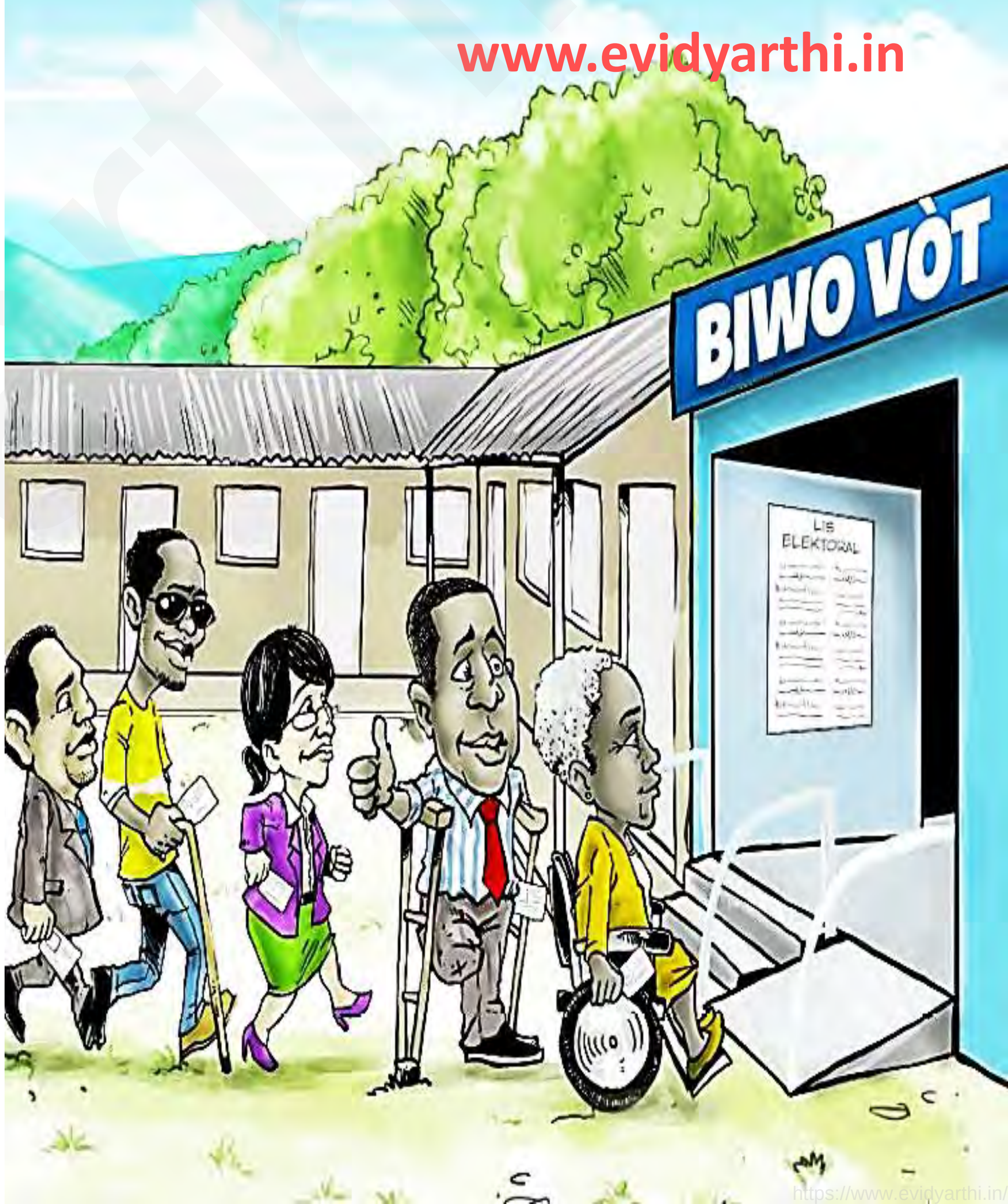

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. बॉक्स में दिए गए संविधान के अनुच्छेद 15 के अंश को पुनः पढ़िए और दो ऐसे तरीके बताइए, जिनसे यह अनुच्छेद असमानता को दूर करता है?

उत्तर. अनुच्छेद 15 के द्वारा

https://www.evidyarthi.in/

असमानता को दूर करने के तरीके

1.राज्य किसी नागरिक के विरुद्ध केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान या इनमें से किसी के आधार पर कोई भेद नहीं करेगा।

कोई नागरिक केवल

www.evidyarthi.in

मूलवंश, जाति, लिंग जन्मस्थान या इनमें से किसी के आधार पर किसी व्यक्ति को दुकानों, सार्वजनिक भोजनालयों और सार्वजनिक मनोरंजन के स्थानों में प्रवेश करने से वंचित नहीं

सकता। पूर्णतः अंशतः राज्य निधि से निर्मित कुँओं, तालाबों, स्नानघाटों, सड़कों और सार्वजनिक समागम के स्थानों के उपयोग पर प्रतिबंध नहीं लगा सकता।

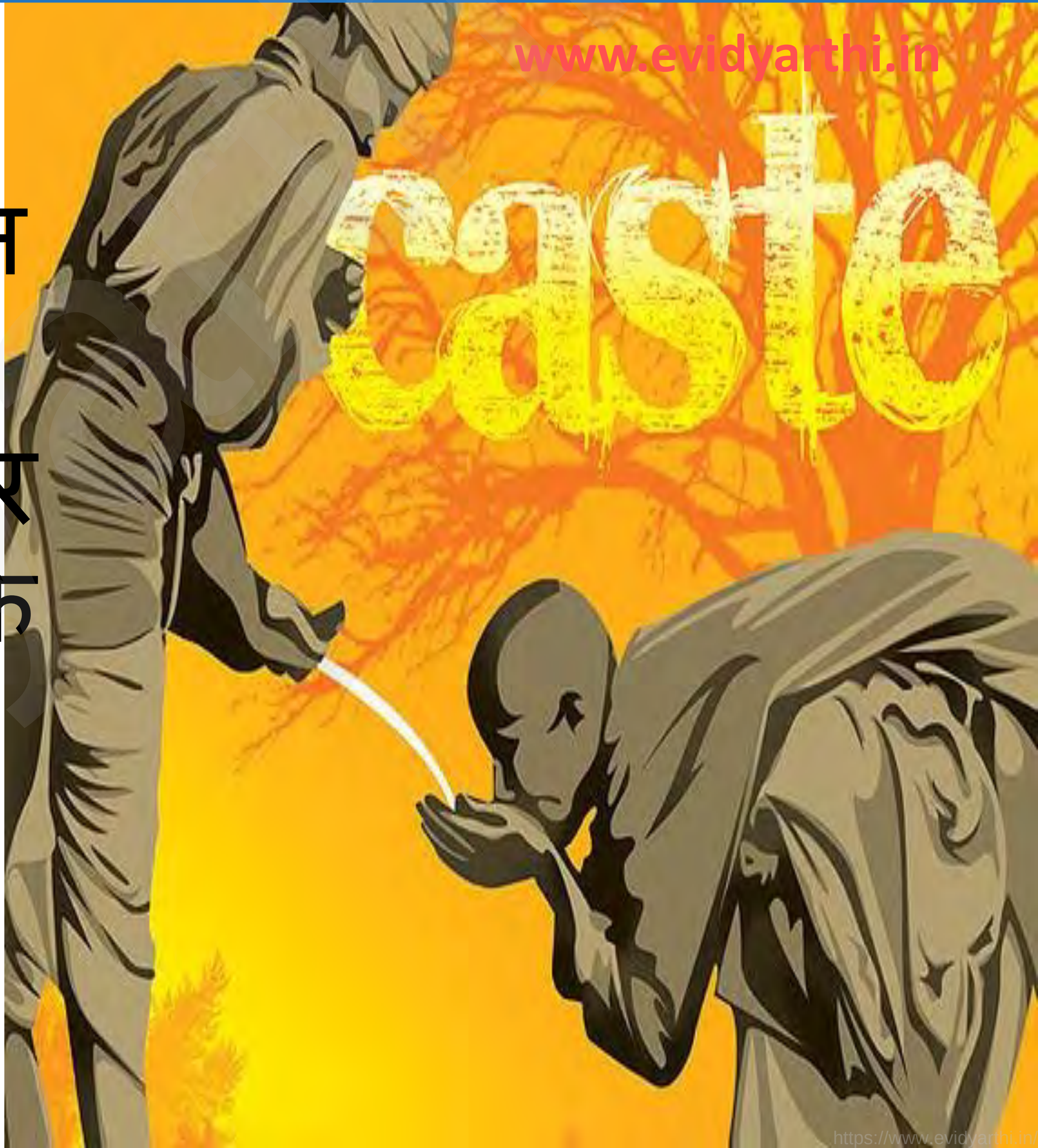

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. ओमप्रकाश वाल्मीकि का अनुभव, अंसारी दंपति के अनुभव से किस प्रकार मिलता था?

उत्तर. ओमप्रकाश वाल्मीकि और अंसारी दंपति का अनुभव निम्न रूप से समान था

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि को

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

समाज के अन्य उच्च वर्गों के छात्रों से अलग फर्श पर बैठना पड़ता था और शिक्षकों के द्वारा भी उससे झाड़ लगवाया जाता था, उसी तरह से अंसारी दंपति को भी लोग अपने मकान में कमरा नहीं देना चाहते थे।

2. ओमप्रकाश वाल्मीकि के साथ असमानता का व्यवहार जातिगत कारणों से किया गया था, जबकि अंसारी दंपति के साथ असमानता का व्यवहार धार्मिक कारणों से किया गया था।

www.evidyarthi.in

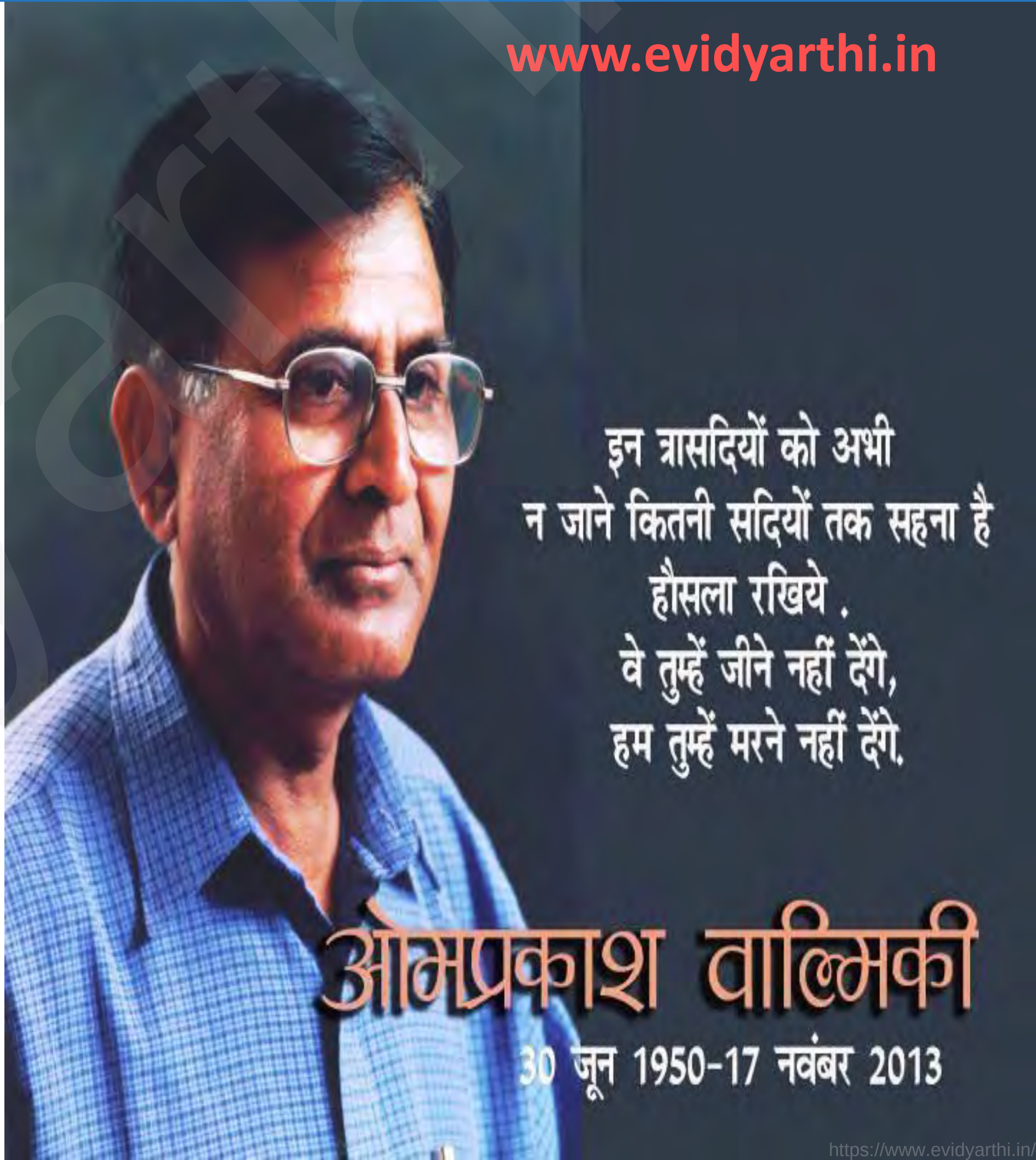

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 4. "कानून के सामने सब व्यक्ति बराबर हैं"-इस कथन से आप क्या समझते हैं? आपके विचार से यह लोकतंत्र में महत्त्वपूर्ण क्यों है?

उत्तर . कानून के समक्ष

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

सभी व्यक्ति बराबर है इससे तात्पर्य है कि:-

1. कानून के समक्ष सभी व्यक्ति समान हैं चाहे वह भारत का सबसे बड़ा पद राष्ट्रपति का हो या एक सामान्य नागरिक। सभी को एक तरह के अपराध के लिए एक ही तरह के दंड देने का

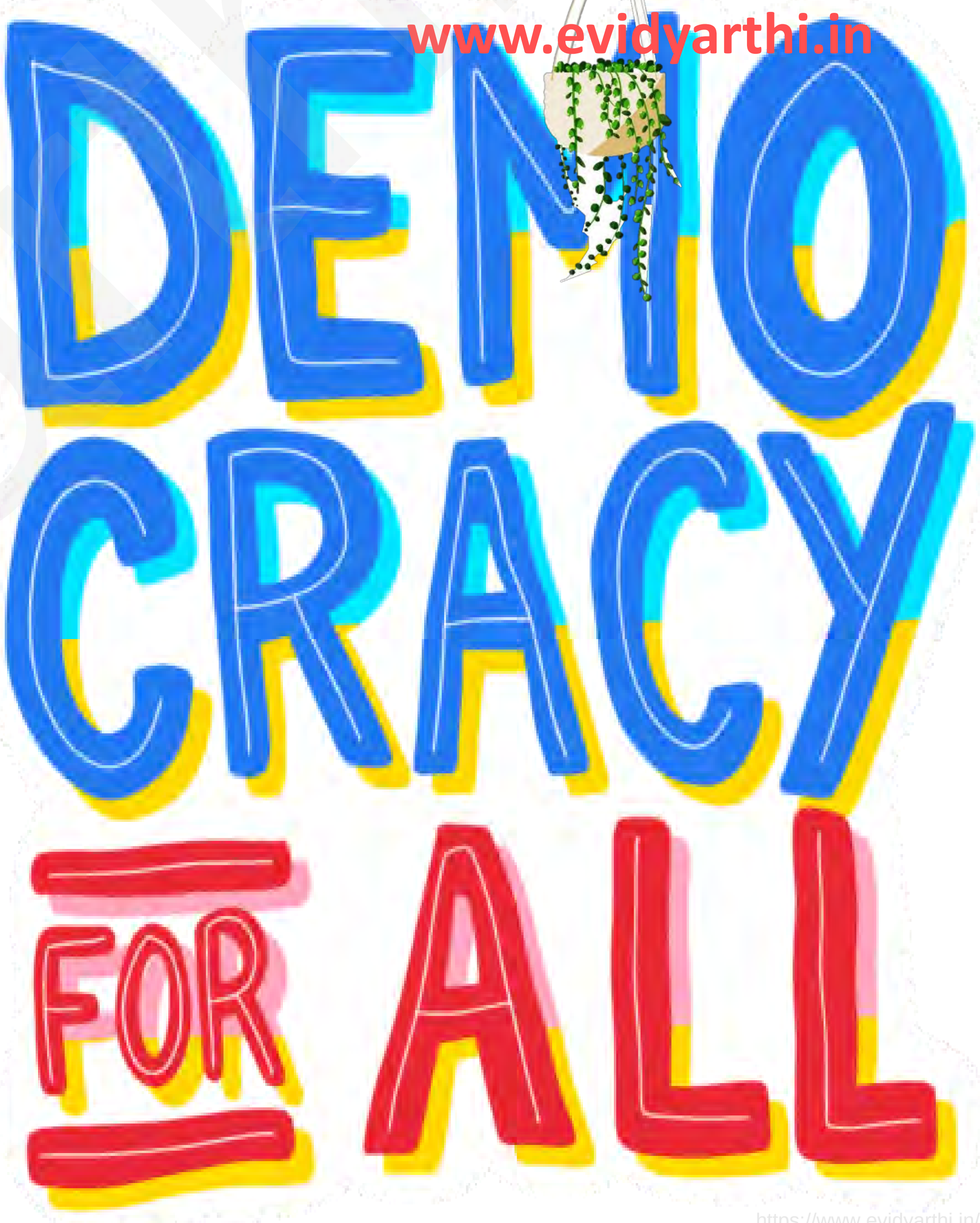

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

प्रावधान है।

2. कानून किसी भी व्यक्ति के साथ उसके धर्म, जाति, लिंग, वंश, क्षेत्र के आधार पर भेदभाव नहीं करता। कानून के समक्ष भारत के सभी नागरिक एक समान हैं। हमारे विचार से कानून के समक्ष समानता से लोगों में यह

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

संदेश जाता है कि देश में किसी के साथ भेदभाव नहीं हो रहा है और हम कानून के समक्ष सामान्य जनता का भी वही महत्त्व है, जो एक बड़े पद पर बैठे व्यक्ति का। इससे लोकतंत्र काफी मजबूत होता है।

https://www.evidyarthi.in/